बेहतर पर्यावरण के लिए बीएसईएस ने 19 इलेक्ट्रिक वाहन फील्ड में उतारे

बीआरपीएल ने 11 इलक्ट्रिक कारों और बीवाईपीएल ने 8 इलेक्ट्रिक स्कूटरों के साथ की शुरूआत

- इलेक्ट्रिक स्कूटरों के सहारे संकरी गलियों जल्दी पहुंचेंगे लाइनमैन
- वैन व पारंपरिक गाड़ियों से तंग गलियों में जाना बहुत बड़ी चुनौती
- ई–वाहनों के उपयोग से पर्यावरण संरक्षरण में मिलेगी मदद
- उपभोक्ताओं के बीच ई–वाहनों के प्रयोग को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्लीः 31 अगस्त। अब अनाधिकृत कॉलोनियों और संकरी गलियों वाले इलाकों में भी बीवाईपीएल के लाइनमैन जल्दी पहुंच पाएंगे। इसके लिए बीवाईपीएल ने अपने लाइनमैन व फील्ड स्टाफ को वैन जैसी पारंपरिक गाड़ियों के बदले, इलेक्ट्रिक स्कूटरों से भेजने का फैसला किया है। पहले चरण में, डिस्कॉम ने 8 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स खरीद कर उन्हें बिजली संबंधी फॉल्ट्स को ठीक करने के काम में लगाया है। इन ई–स्कूटरों को खासतौर पर तंग गलियों वाले इलाकों में लगाया गया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि फॉल्ट्स को ठीक करने के लिए अब लाइनमैन संकरी गलियों में भी जल्दी पहुंच पाएंगे और बिजली संबंधी फॅल्ट्स को पहले के मुकाबले कम समय में ठीक किया जा सकेगा। पारंपरिक गाड़ियों में तंग गलियों में पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती होती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी क्योंकि ये पारंपरिक ईंधनों की जगह बैटरी की उर्जा से चलते हैं। बेहतर पर्यावरण के उद्देश्य से बीआरपीएल भी 11 इलक्ट्रिक कारें फील्ड में उतारने जा रही है। इलेक्ट्रिक कारों को भी ऑपरेशन व मेंटेनेंस टीम के साथ लगाया जाएगा। जिन उद्देश्यों के साथ इन इलेक्ट्रिक वाहनों को मैदान में उतारा जा रहा है, अगर वे इनमें सफल होते हैं, तो आने वाले दिनों में और भी कई इलेक्ट्रिक स्कूटर और इलेक्ट्रिक कारों को बिजली संबंधी फॉल्ट्स ठीक करने के काम में लगाया जाएगा।

बीवाईपीएल ने जिन इलेक्ट्रिक स्कूटरों को फील्ड में तैनात किया है, उनकी खासियत यह है कि उनमें ली–आयॉन बैटरी लगी है और ये सिर्फ चार घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाएंगी। चार्ज होने के बाद, ये स्कूटर लगातार 50 किलोमीटरी तक चल सकेंगे।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, आने वाले दिनों में बीएसईएस इलेक्ट्रिक वाहन सेक्टर को प्रमोट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। इलक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की संभावनाओं तथा बिजली के नेटवर्क पर पड़ने वाले उसके प्रभावों का अध्ययन करने के लिए बीएसईएस ने कई महत्वपूर्ण संस्थाओं के साथ समझौते किए हैं। इन अध्ययनों से बीएसईएस को आगे की योजनाएं बनाने में तो मदद मिलेगी ही, साथ ही इससे पूरे इलेक्ट्रिक वाहन सेक्टर को फायदा होगा।

दरअसल, बीएसईएस हमेशा से ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती आ रही है और ऐसी पहल लॉन्च करती रही है, जिनसे उपभोक्ता, डिस्कॉम, और पूरे समाज का फायदा हो। बेहतर पर्यावरण के लक्ष्य को हासिल करने में, आने वाले दिनों में इलक्ट्रिक वाहनों की काफी अहम भूमिका होगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....